आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देनी वाली मौलाना आजाद मेडिकल कालेज के डाक्टरों की टीम

सपोर्ट सिस्टम की जानकारी हरेक लिए उपयोगी है।

मौलाना आजाद मेडिक्ल कॉलेज के डीन डॉ. ए.के. अग्रवाल ने बताया कि 2004 में लाइफ सपोर्ट सेंटर को तैयार किया गया था, वर्तमान में भगवान महावीर अस्पताल और डीडीयू अस्पताल में भी ये सेंटर चल रहे हैं। इस प्रशिक्षण सत्र में घायल या मरीज की मदद करने के लिए साधारण तरीकों की जानकारी दी गई।

सत्र में प्रैक्टिकल डेमोन्स्ट्रेशन भी दिए गए जिससे कि सही तरीके से प्रशिक्षण दिया जा सके। डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि फर्स्ट-ऐड देते समय अपने बचाव पर भी ध्यान देना जरूरी है। इसके साथ ही इस बात को ध्यान में रखना भी जरूरी है कि हम डॉक्टर नहीं हैं। उस समय यह जरूरी होता है कि मरीज को कैसे अस्पताल तक सुरक्षित पहुंचाया जाए। डॉ. सुनील कुमार ने पुराने समय से चली आ रही कई भ्रांतियों को दूर किया। जैसे बेहोश होने पर पानी पिलाना या पानी के छींटें मारना, पर ऐसे समय में ये दोनों ही काम नहीं करने चाहिए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार शामिल हुए। प्रशिक्षण देने वाली टीम में डॉ. शक्ति दत्त शर्मा, डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. मनीषा, डॉ. नीरा, डॉ. आर.के. गुप्ता, डॉ. सुमित, डॉ. मनोज भारद्वाज, डॉ. अल्पना चुग और दो नर्स सुमन, नीलम माजूद थीं। लाइफ सपोर्ट सेंटर 29-30 जून और 1 जुलाई को भगवान महावीर अस्पताल में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम करेगा। दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के महासचिव अनिल पांडेय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और सचिव एवं कार्यक्रम के संयोजक प्रमोद सैनी ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले पत्रकारों और डॉक्टरों का आभार जताया। कार्यक्रम में सौ से ज्यादा पत्रकारों ने हिस्सा लिया।

डा. अशोक वालिया का स्वागत करते हुए डीजेए सचिव प्रमोद सैनी

प्रशिक्षण के दौरान हरिभूमि के मुख्य संवाददाता आनंद राणा